मिशन शिक्षण संवाद

विषय - कम्प्यूटर (गतिविधि)

09/05/2020

ऑनलाइन शिक्षण कार्य

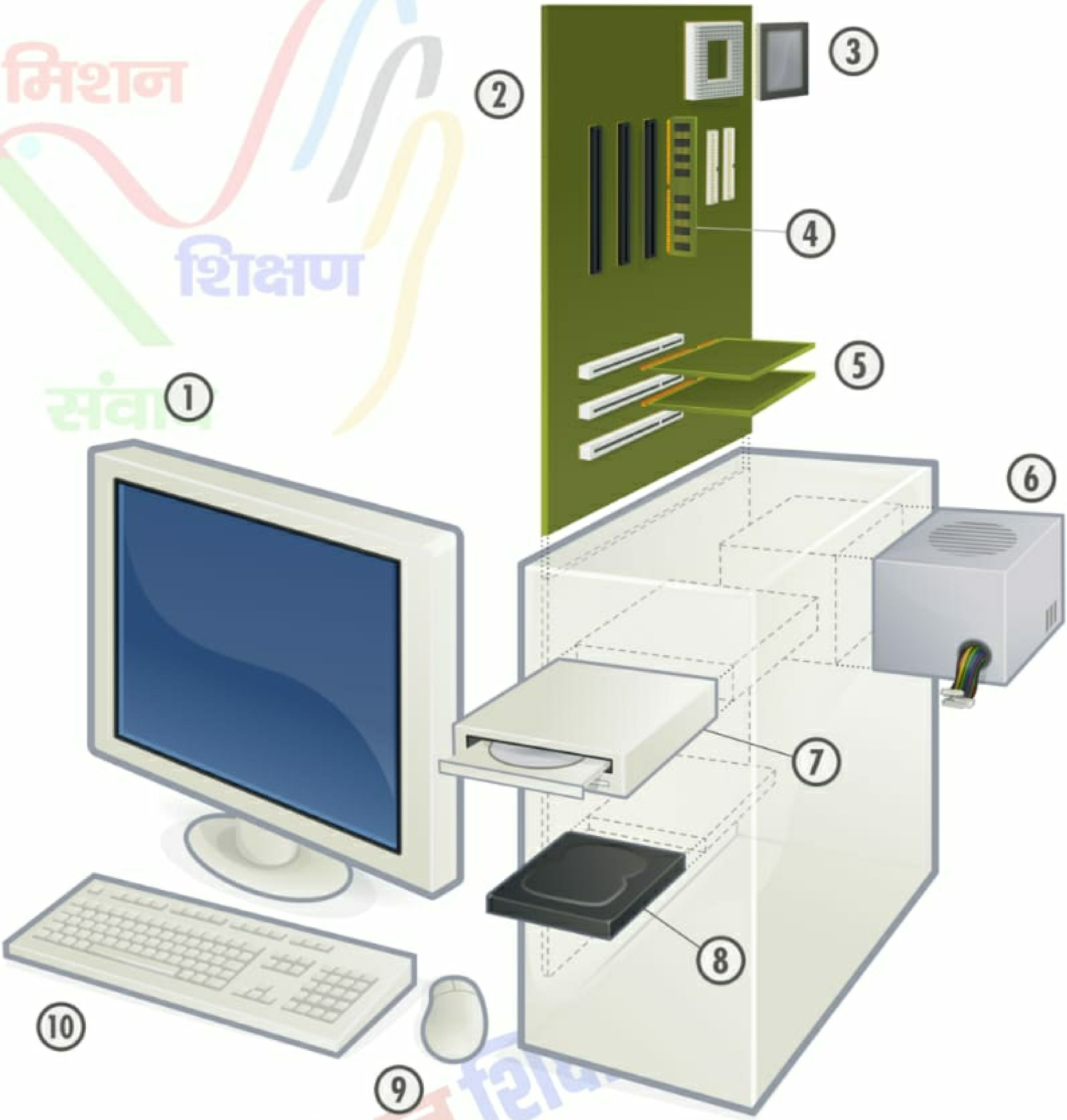

गतिविधि- दिए कई कम्प्यूटर में कम्प्यूटर के पार्ट्स को नंबर डाल कर इंगित किया गया है, अपनी अभ्यास पुस्तिका में उन पार्ट का नाम उसी क्रम में लिखो।

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - कम्प्यूटर

ऑनलाइन शिक्षण कार्य

कम्प्यूटर

12 मई 2020

कम्प्यूटर एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण है जिसका प्रयोग सामान्यतः उन स्थानों पर किया जाता है जहां कार्य तेज एवं अत्यधिक मात्रा में किया जाता है।कम्प्यूटर की परिकल्पना सर्वप्रथम सन 1833 ई0 में सर चार्ल्स बैबेज ने की थी। इसलिए उन्हें आधुनिक कंप्यूटर का जनक माना जाता है।

कंप्यूटर की परिभाषा एवं गुण

कंप्यूटर शब्द की उत्पत्ति कंप्यूट शब्द से हुई है जिसका अर्थ है गणना करना अतः एक कंप्यूटर को आमतौर पर एक गणन युक्ति (कैलकुलेटिंग डिवाइस) माना जाता है जो अंकगणितीय और तार्किक(Logical) ऑपरेशन को तेजी से कर सकता है लेकिन अधिक सही तौर पर कहा जाए तो कंप्यूटर का उपयोग सिर्फ गणना तक सीमित नहीं है आज इसका उपयोग म्यूजिक, ग्राफिक्स, इंटरनेट आदि अन्य क्षेत्रों में भी हो रहा है अतः हम कह सकते हैं कि यह एक इलेक्ट्रॉनिक युक्ति है जो निर्देशो के एक सेट, जिसे प्रोग्राम कहा जाता है के अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्य करता है इसके बाद यह परिणाम(Result) का प्रदर्शन(Display) या प्रिंट करता है यह डाटा को एक्सेप्ट (स्वीकारना), स्टोर (भंडार) और उन्हें मेनूप्लेट(हेरफेर) करना भी करता है।

कम्प्यूटर का विकास

पहले गणना के लिए प्रयोग में लायी जाने वाली युक्तियों में यांत्रिक (मैकैनिकल) डिवाइसें थीं, अबैकस को पहला कम्प्यूटर कहा जाता है। इसके बाद, पास्कल, लॉरिंन्स, जैकब, एटॉसॉफबेरी आदि ने कई डिवाइसें बनायीं किन्तु किसी भी डिवाइस में मेमोरी नहीं थी। सत्रहवीं शताब्दी में चाल्र्स बैवेज ने एनालिटिकल और डिफरेंन्स मशीन का आविष्कार किया तथा उसमें मेमोरी को डाला। उक्त मशीन के आविष्कार से ही आधुनिक कम्प्यूटर युग की शुरूआत हुई, बाद में आज के सभी कम्प्यूटर में मेमोरी सबसे बड़ी विशेषता है। इसी कारण चाल्र्स बैवेज को कम्प्यूटर का जनक कहा जाता है। ENIAC प्रथम इलेक्ट्रानिक कम्प्यूटर है। यही से इलेक्ट्रानिक कम्प्यूटर्स का युग शुरू हो गया।

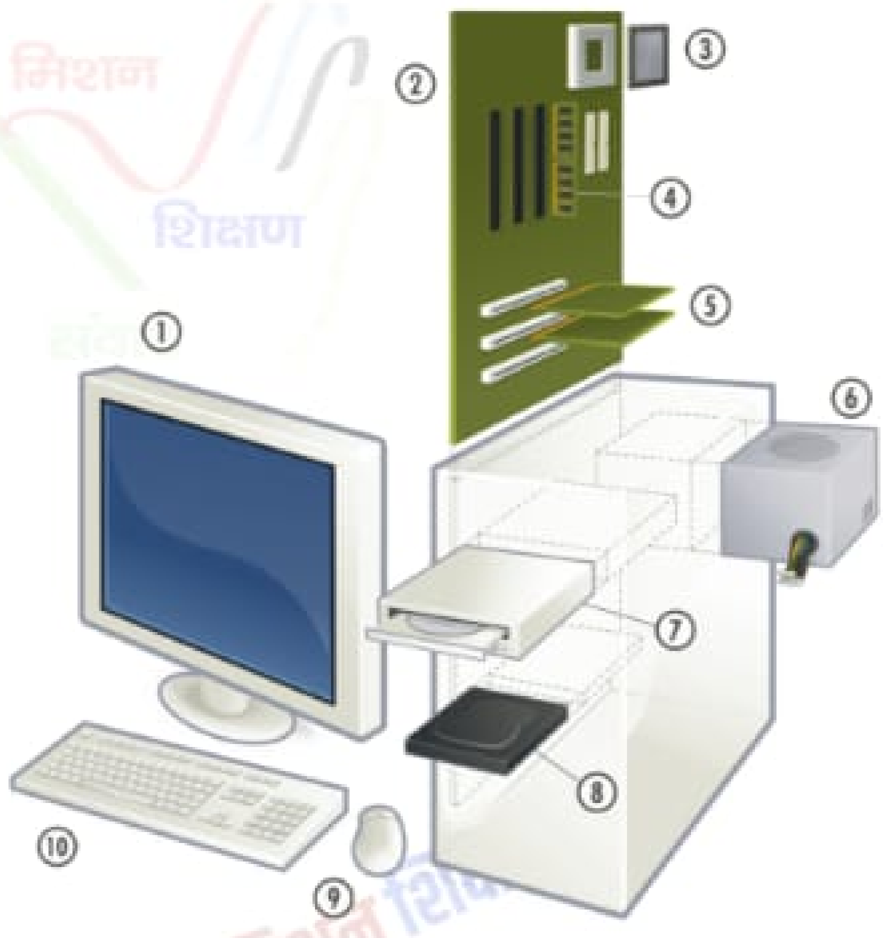

उत्तरमाला (09/05/2020)

1Monitor, 2 Mother board
3 Processor, 4 RAM
5 PCI slot, 6 SMPS
7 CD Drive, 8 Floppy Disk
9 Mouse, 10Key board.

अभ्यासकार्य

प्रश्न 1- कम्प्यूटर के जनक और आधुनिक कम्प्यूटर के जनक किसे माना जाता है?

प्रश्न 2- कम्प्यूटर का सर्वप्रथम प्रयोग कब किया गया?

प्रश्न 3- कम्प्यूटर का क्या अर्थ है?

प्रश्न 4- कम्प्यूटर का प्रयोग किन किन क्षेत्रों में किया जाता है? कोई पांच नाम लिखो।

प्रश्न 5- बिना मेमोरी वाले 3 डिवाइस के नाम लिखो।।

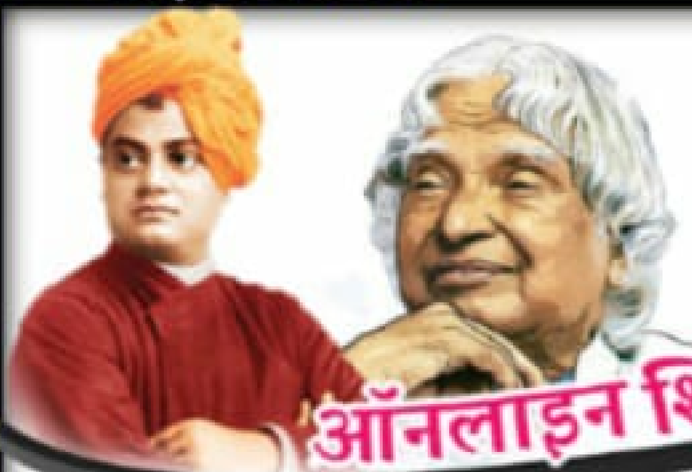

मिशन शिक्षण संवाद
विषय- कम्प्यूटर (उच्च प्राथमिक)

ऑनलाइन शिक्षण कार्य 14 मई 2020

हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर

कम्प्यूटर के ठीक से काम करने के लिए दो सबसे महत्वपूर्ण घटक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर हैं यदि इनमें से कोई भी एक नहीं है तो कम्प्यूटर सिस्टम का उपयोग करना संभव नहीं होगा।

हार्डवेयर- कम्प्यूटर के वे सभी भाग जिन्हें हम हाथों से छू सकते हैं व देख सकते हैं, हार्डवेयर कहलाते हैं। यह कम्प्यूटर के यांत्रिक ,वैद्युत तथा इलेक्ट्रॉनिक भाग हो सकते हैं। जैसे -मॉनीटर, सीपीयू , स्पीकर, की-बोर्ड आदि। हार्डवेयर को आसानी से संशोधित नहीं किया जा सकता है।

हार्डवेयर को मुख्य रूप से तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1- इनपुट डिवाइस- इनका मुख्य कार्य कम्प्यूटर में डाटा इनपुट कराने के लिए होता है। जैसे-कीबोर्ड ,माउस, जॉय स्टिक,लाइट पेन।

2- आउटपुट डिवाइस- इनका मुख्य कार्य कम्प्यूटर में किए गए प्रोसेसिंग को दिखाना या उसका परिणाम देना होता है। जैसे - मॉनीटर ,स्पीकर ,प्रिंटर आदि।

3- प्रोसेसिंग डिवाइस- सीपीयू एक प्रोसेसिंग डिवाइस है जो डाटा को प्रोसेस करता है और परिणाम उत्पन्न करता है। सीपीयू में शामिल है-

A.L.U. - Arithmetic & logical unit., C.U. - Control unit, Memory-storage unit.

सॉफ्टवेयर- प्रोग्राम या निर्देशों के समूह को सॉफ्टवेयर कहते हैं । सॉफ्टवेयर प्रकृति में अमूर्त है इन्हें कम्प्यूटर सिस्टम बनाने के लिए शामिल किया जाता है। इसे भौतिक रूप से स्पर्श नहीं कर सकते बस देख व महसूस कर सकते हैं। जैसे- Microsoft Word ,VLC Player, GIMP, और Operating system (Windows)

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1- हार्डवेयर से आप क्या समझते है?

प्रश्न 2- कम्प्यूटर हार्डवेयर भागों के नाम बताओ।

प्रश्न 3- Processing डिवाइस क्या है?

प्रश्न 4- सॉफ्टवेयर से आप क्या समझते है?

प्रश्न 5- Microsoft word किस प्रकार का घटक है?

उत्तरमाला

1- भारत के प्रथम सुपर कम्प्यूटर का नाम परम -1000 है।

2- कार्य व सिद्धांत के आधार पर कम्प्यूटर को तीन भागों में बांटा गया है-
a.एनालॉग कम्प्यूटर b.डिजिटल कम्प्यूटर c. हाइब्रिड कम्प्यूटर

3- कार्य व क्षमता के आधार पर कम्प्यूटर का विभाजन चार प्रकार से किया गया है-
a. Micro computer(माइक्रो कम्प्यूटर)
b. Mini computer(मिनी कम्प्यूटर)
c.मेनफ्रेम कम्प्यूटर(Mainframe computer).
d.सुपर कम्प्यूटर (super computer).

4- विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एनालॉग कम्प्यूटर का प्रयोग होता है।

5- मेनफ्रेम कम्प्यूटर का प्रयोग बैंक, बड़ी-बड़ी कम्पनियों एवं सरकारी विभागों में होता है।

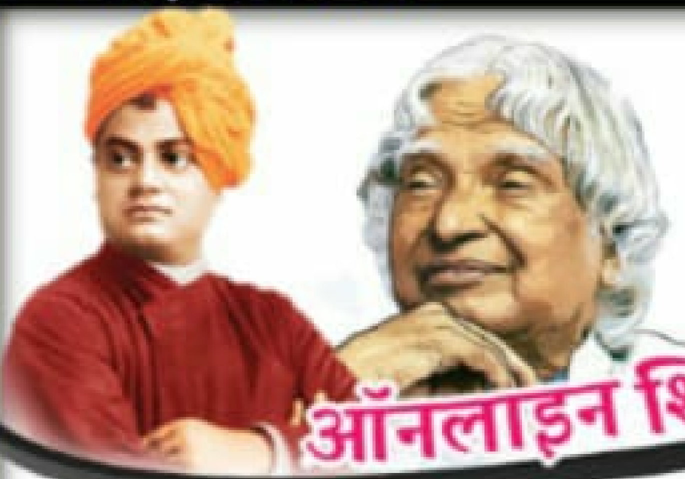

मिशन शिक्षण संवाद

विषय- कम्प्यूटर (उच्च प्राथमिक)

ऑनलाइन शिक्षण कार्य 13 मई 2020

कम्प्यूटर के प्रकार

कार्य एवं सिद्धांत के आधार पर कंप्यूटर को निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1.एनालॉग कम्प्यूटर- यह कम्प्यूटर भौतिक राशियों के किसी सतत परिवर्तित गुण के मापन के आधार पर कार्य करते हैं। एनालॉग कंप्यूटर का प्रयोग विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किया जाता है।

2.डिजीटल कम्प्यूटर- ये कम्प्यूटर बाइनरी अंको का उपयोग करते हैं अधिकांशत: कम्प्यूटर डिजिटल कम्प्यूटर होते हैं।

3.हाईब्रिड कम्प्यूटर- ये कम्प्यूटर एनालॉग एवं डिजिटल कम्प्यूटर दोनों का कॉम्बिनेशन होता है अर्थात हाईब्रिड कम्प्यूटर उपरोक्त दोनों प्रकार से कम्प्यूटर की विशेषताओं को प्रदर्शित करते हैं।

आकार एवं क्षमता के आधार पर कंप्यूटर को निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1. माइक्रो कम्प्यूटर- एक ऐसा कम्प्यूटर है जिसमें माइक्रोप्रोसेसर इसके सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट के रूप में होता है। मेनफ्रेम तथा मिनी कम्प्यूटर की तुलना में यह छोटा होता है। अब आम तौर पर इसका उपयोग नहीं होता है।

2. मिनी कम्प्यूटर- माइक्रो कम्प्यूटर की तुलना में अधिक तेजी से कार्य करता है और इसकी संग्रहण क्षमता भी माइक्रो कम्प्यूटर से अधिक होता है।

3 मेनफ्रेम कम्प्यूटर- यह कम्प्यूटर आकार में माइक्रो और मिनी कम्प्यूटर से बड़ा होता है। इसकी क्षमता भी दोनों की अपेक्षा अधिक होती है। इनका प्रयोग बैंक, बड़ी-बड़ी कंपनियों एवं सरकारी विभागों में होता है।

4. सुपर कम्प्यूटर- यह कम्प्यूटर सबसे बड़े आकार के एवं तीव्र कार्य क्षमता वाले होते हैं। इनकी संग्रहण क्षमता भी सर्वाधिक होती है। सुपर कम्प्यूटर में अनेक सीपीयू लगे होते हैं जिससे कार्य तीव्र गति से सम्पादित हो सके। भारत का प्रथम सुपर कम्प्यूटर परम- 1000 है।

अभ्यास प्रश्न

1 भारत के प्रथम सुपर कम्प्यूटर का क्या नाम था?

2. कार्य व सिद्धांत के आधार पर कम्प्यूटर को कितने भागों में बांटा जा सकता है?

3. कार्य व क्षमता के आधार पर कम्प्यूटर का विभाजन करो।

4. विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किस कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है?

5.मेनफ्रेम कम्प्यूटर कहाँ प्रयोग होता है?

उत्तरमाला

1- कम्प्यूटर के जनक और आधुनिक कम्प्यूटर के जनक चार्ल्स बैबेज को माना जाता है।

2- कम्प्यूटर का सर्वप्रथम प्रयोग 17 वीं शताब्दी में किया गया।

3- कम्प्यूटर का अर्थ- कम्प्यूटर शब्द की उत्पत्ति कंप्यूट शब्द से हुई है जिसका अर्थ है गणना करना।

4- कम्प्यूटर का प्रयोग निम्न क्षेत्रों में किया जाता है- a. संगीत के क्षेत्र में b. ग्राफिक्स के क्षेत्र में c. रक्षा के क्षेत्र में d. चिकित्सा के क्षेत्र में e. इंटरनेट के क्षेत्र में।

5- बिना मेमोरी वाले 3 डिवाइस- अबेकस ,पास्कल , एबीसी।

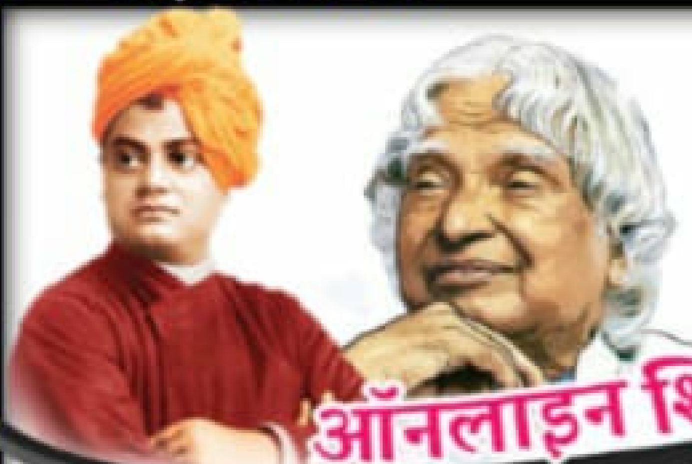

मिशन शिक्षण संवाद

विषय- कम्प्यूटर (उच्च प्राथमिक)

ऑनलाइन शिक्षण कार्य 15 मई 2020

पर्सनल कम्प्यूटर (P.C.)

पर्सनल कम्प्यूटर ऐसा कम्प्यूटर तंत्र है जो विशेष रूप से व्यक्तिगत अथवा छोटे समूह के द्वारा प्रयोग में लाए जाते हैं पर्सनल कम्प्यूटर का निर्माण विशेष क्षेत्र तथा कार्य को ध्यान में रखकर किया जाता है, जैसे घरेलू कम्प्यूटर तथा कार्यालय में प्रयोग किए जाने वाले कम्प्यूटर यह एक माइक्रो प्रोसेसर तकनीक है इसीलिए इसे माइक्रो कम्प्यूटर भी कहते हैं।

पर्सनल कम्प्यूटर निम्न प्रकार के होते है।

1. डेस्कटॉप कम्प्यूटर (Desktop Computer)- पर्सनल कंप्यूटर का सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला डेस्कटॉप कम्प्यूटर है। यह एक ऐसा कम्प्यूटर है जिसे किसी मेज पर रख कर प्रयोग किया जाता है इसीलिए इसे डेस्कटॉप कम्प्यूटर के नाम से जाना जाता है।

2. लैपटाप कम्प्यूटर (Laptop Computer)- यह वे कम्प्यूटर होते हैं जिन्हें हम आराम से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जा सकते हैं व आसानी से गोद में रखकर काम कर सकते हैं। यह साइज में डेस्कटॉप कम्प्यूटर से ज्यादा छोटे होते हैं। इनमें पॉवर के लिए बैटरी और ए सी विद्युत दोनों का प्रयोग किया जा सकता है। इसे पोर्टेबल कम्प्यूटर भी कहते हैं।

3. पॉमटॉप कम्प्यूटर (Palmtop Computer)- यह कम्प्यूटर लैपटॉप कम्प्यूटर से छोटे आकार के होते हैं इनको हथेली पर रखकर चलाया जाता है। आजकल मोबाइल में भी यह सुविधा उपलब्ध होने लगी है। पॉमटॉप कम्प्यूटर में केलकुलेटर के समान बटन वाला की बोर्ड होता है और एक छोटी सी स्क्रीन होती है। यह बैटरी से चलाया जाता है।

पर्सनल कम्प्यूटर के उपयोग- शब्द एवं गणनाओं का प्रयोग करने में प्रजेन्टेशन बनाने में, बच्चे गेम खेलने में, सांख्यिकी गणना का कार्य करने में, सेल्स तथा प्रोडक्शन कंट्रोल करने में, बैंकिंग व रेलवे के क्षेत्र में तथा इनका प्रयोग इंटरनेट के उपयोग के लिए किया जा सकता है।

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न- 1. पर्सनल कम्प्यूटर किसे कहते हैं?

प्रश्न- 2. लैपटॉप कम्प्यूटर के बारे में बताइए।

प्रश्न- 3. सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला कम्प्यूटर कौन सा है?

प्रश्न- 4. किस कम्प्यूटर को हथेली पर रखकर चलाया जाता है?

प्रश्न- 5. पर्सनल कम्प्यूटर का क्या उपयोग है?

डेस्कटॉप कम्प्यूटर

लैपटॉप कम्प्यूटर

पॉमटॉप कम्प्यूटर

उत्तरमाला

1. कंप्यूटर के वे सभी भाग जिन्हें हम हाथों से छू सकते हैं व देख सकते हैं, हार्डवेयर कहते हैं। इन्हें आसानी से संशोधित नहीं किया जा सकता है।
2. कंप्यूटर हार्डवेयर भागों के नाम- मॉनीटर, कीबोर्ड ,स्पीकर ,सीपीयू आदि।
3. सीपीयू प्रोसेसिंग डिवाइस है यह डाटा को प्रोसेस करता है।
4. प्रोग्राम या निर्देशों के समूह को सॉफ्टवेयर कहते हैं यह प्रकृति में अमूर्त होते हैं।
5. Microsoft Word सॉफ्टवेयर है इसे भौतिक रूप से स्पर्श नहीं कर सकते हैं।

मिशन शिक्षण संवाद

विषय- कम्प्यूटर (उच्च प्राथमिक)

ऑनलाइन शिक्षण कार्य 18 मई 2020

स्मृति (Memory)

मेमोरी कंप्यूटर की सबसे जरूरी इकाई है। यह किसी भी डाटा को स्थाई या अस्थाई रूप से संग्रहित करती है। यह मुख्यतः दो प्रकार की होती है-

1- प्राथमिक मेमोरी
2- द्वितीयक मेमोरी

1. प्राथमिक मेमोरी- प्राथमिक मेमोरी में डाटा का तेज गति व प्रत्यक्ष रूप से प्रयोग होता है। इस मेमोरी के अन्य नाम है- मुख्य मेमोरी, आंतरिक मेमोरी, सेमी-कंडक्टर आदि। प्राथमिक मेमोरी को दो भाग में बाँटा गया है-

a. स्थायी मेमोरी b. अस्थायी मेमोरी

◆ स्थायी मेमोरी के निम्नलिखित प्रकार है-

ROM- इसका पूरा नाम Read Only Memory है। इसमें उपस्थित डाटा केवल पढ़ा जा सकता है। इसे मिटाया व परिवर्तित नहीं किया जा सकता है। स्विचऑफ होने के बाद भी इसका डाटा नष्ट नहीं होता इसीलिए इसे स्थायी मेमोरी कहा जाता है।

PROM- इसका पूरा नाम Programmable read only memory है। यह खाली ही निर्मित की जाती है। इस ROM को यूजर एक बार Erase कर सकता है।

EPROM- इसका पूरा नाम Erasable Programmable ROM है। इस ROM को पराबैंगनी किरणों के नीचे रखा जाता है, तो इसका डाटा हट जाता है।

EEPROM- Electrical Programmable read only memory होता है। इसमें मेमोरी को प्रोग्राम से विद्युतीय विधि से मिटाया जा सकता है।

◆ अस्थाई मेमोरी - अस्थायी मेमोरी को तीन भाग में बाँटा गया है-

RAM- इसका पूरा नाम Random-access memory है। यह एक अस्थायी मेमोरी है RAM में कोई भी फाइल save नहीं होती है। कंप्यूटर में जो भी क्रिया होती है वह RAM में ही होती है।

RAM दो प्रकार की होती है-

Dynamic RAM- इसमें डाटा को बार-बार रिफ्रेश करना होता है बार-बार रिफ्रेश करने के कारण इसकी गति कम होती है।

Synchronous RAM- यह डायनामिक रैम की अपेक्षा ज्यादा तेज है एवं डायनामिक रैम की अपेक्षा डाटा को मेमोरी तेजी से ट्रांसफर करता है।

Static RAM- इसे बार-बार डेटा को refresh करने की आवश्यकता नहीं है। यह डायनामिक रैम से तेज होती है।

अभ्यास प्रश्न

1. मेमोरी कितने प्रकार की होती है?
2. स्थायी मेमोरी किसे कहा जाता है?
3. EEPROM का पूरा नाम क्या है?
4. अस्थायी मेमोरी कौन-कौन सी है?
5. RAM का पूरा नाम क्या है?

उत्तरमाला 16/05/2020

1. ऐसा कम्प्यूटर तंत्र जो विशेष रूप से व्यक्तिगत अथवा छोटे समूह के द्वारा प्रयोग में लाए जाते हैं, पर्सनल कम्प्यूटर कहलाते हैं।
2. लैपटॉप कम्प्यूटर साइज में छोटे होते हैं और हम इन्हें आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जा सकते हैं।
3. सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला कम्प्यूटर डेस्कटॉप कंप्यूटर होता है।
4. पामटॉप कम्प्यूटर को हथेली पर रखकर चलाया जा सकता है।
5. पर्सनल कम्प्यूटर का उपयोग- प्रेजेंटेशन बनाने में, गेम खेलने में, शब्द एवं घटनाओं का प्रयोग करने में, सांख्यिकीय गणना का कार्य करने में, सॉफ्टवेयर निर्माण में आदि में किया जाता है।

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - कम्प्यूटर

20 मई 2020

ऑनलाइन शिक्षण कार्य

की-बोर्ड

कम्प्यूटर में सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाला डिवाइस की-बोर्ड और माउस होता है|की-बोर्ड एक प्राइमरी इनपुट डिवाइस है। की-बोर्ड में लगभग 100(key) कीज होती है। हर एक key अलग करैक्टर कोड सीपीयू को भेजती है। की-बोर्ड में कीज का अलग ग्रुप होता है जिनके अलग-अलग कार्य होते हैं-

Alphabet keys (अल्फाबेट कीज)- कीबोर्ड में सबसे ज्यादा इसी का इस्तेमाल होता है इसमें A से लेकर Z तक के alphabet होते हैं।

Numbar keys(नंबर कीज)- अल्फाबेट कीज के ऊपर नंबर कीज होती है। यह 0 से 9 तक होती है। इसका एक अलग सेट भी होता है जिसे न्यूमैरिक कीज पैड कहा जाता है।

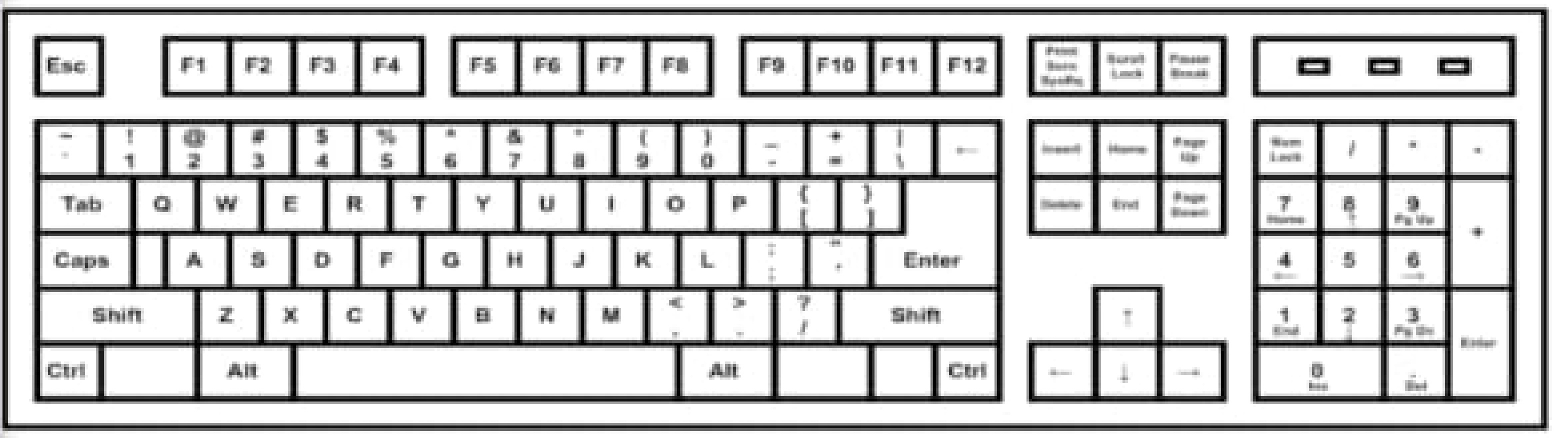

Function keys(fn)-f1 से लेकर f12 तक की कुञ्जियों को फंक्शन कुञ्जी कहते है| इनका प्रयोग कम्प्यूटर में परिभाषित विशिष्ट कार्यों के लिए किया जाता है|

Escape key(Esc)- इसका प्रयोग प्रोग्राम से बाहर निकलने के लिए किया जाता है|

Cursar control key- इन कीज पर तीर के निशान छपे होते हैं|इन कुञ्जियों से cursar को डेस्कटॉप पर कहीं भी ले जाया जा सकता है|

Control key(ctrl)- इनका उपयोग आदेश देने के लिए अन्य कुञ्जियों के साथ किया जाता है जैसे ctrl+c दबाने से चुनी हुई सामग्री कॉपी हो जाती है|

Alt key(Alt)- इन कीज का प्रयोग अकेले नहीं किया जा सकता है जैसे कम्प्यूटर में टास्क मैनेजर खोलना है तो Alt+ctrl+Delete key एक साथ क्लिक करेंगे तब टास्क मैनेजर का ऑप्शन मिलेगा|

Enter key-इसे return key जी कहते हैं| यह हमारे द्वारा तैयार किए गए किसी आदेश को कम्प्यूटर में भेजने का कार्य करता है| इसका उपयोग डॉक्यूमेंट तैयार करते समय नया पैराग्राफ शुरू करने में भी किया जाता है|

Shift key- इन कीज का प्रयोग अक्षरों को छोटा-बड़ा करने में किया जाता है एवं ऊपर के चिह्न को टाइप करने में होता है|

Back Space key- इनका प्रयोग किसी टेक्स्ट को मिटाने के लिए किया जाता है|यह text ke के बाईं तरफ मिटाता है एवं इसका प्रयोग पिछले फ़ोल्डर में आने के लिए भी करते हैं|

Delete key- किसी भी file text को डिलीट करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है यह दाएं तरफ के text को मिटाने के लिए प्रयोग में आता है| फाइल डिलीट होने के बाद रीसाईकिल बिन में पड़ा होता है|

Kaps Lock key- इसे on करने पर अल्फाबेट के कैपिटल लेटर टाइप होते हैं|

Pause,Break,Print,Scroll आदि कुञ्जियाँ होती हैं जो विशेष कार्य में प्रयोग होता है|

उत्तरमाला (19/05/2020)

1.द्वितीयक मेमोरी को बाह्य मेमोरी कहते हैं।

2. द्वितीयक मेमोरी के उदाहरण-Hard disk, CD, DVD, Pen drive आदि।

3.DVD का पूरा नाम डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क या डिजिटल वीडियो डिस्क है।

4.Hard disk की भण्डारण क्षमता 1TB से 4TB तक है।

5. पेन ड्राइव USB पोर्ट के माध्यम से कम्प्यूटर में जुड़ता है।

अभ्यासकार्य

1.कम्प्यूटर में सबसे ज्यादा प्रयोग होने वाले डिवाइस का नाम बताओ।

2.फंक्शन कीज का क्या काम है?

3.Cursar control key से क्या होता है?

4.Shift key के कार्य बताओ।

5.प्रोग्राम से बाहर निकलने के लिए कौनसे की का प्रयोग किया जाता है?

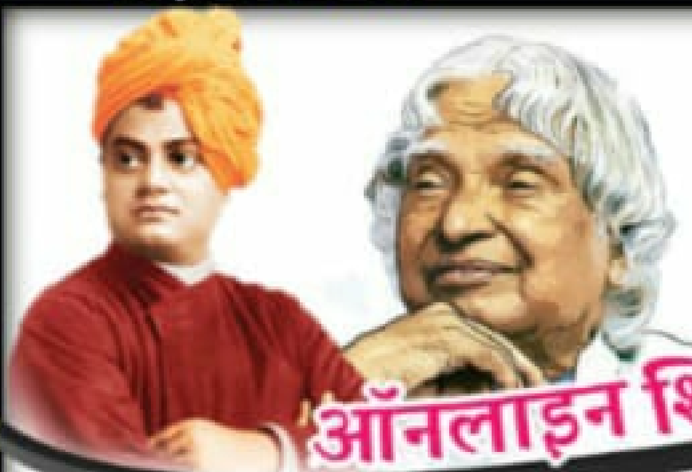

मिशन शिक्षण संवाद

विषय- कम्प्यूटर (उच्च प्राथमिक)

ऑनलाइन शिक्षण कार्य 19 मई 2020

द्वितीयक मेमोरी (Secondary Memory)

इस मेमोरी को बाह्य मेमोरी भी कहते हैं। यह CPU के बाहरी भाग में होता है।यह डाटा के स्थानांतरण के लिए होता है। प्राथमिक मेमोरी की अपेक्षा द्वितीयक मेमोरी की स्टोरेज क्षमता अधिक होती है। द्वितीयक मेमोरी के उदाहरण-

हार्ड डिस्क- यह एक मुख्य डिवाइस होती है। यह डाटा भंडारण के लिए सर्वाधिक जगह उपलब्ध करवाती है। यह बॉक्स के अंदर होती है, जिसमें रीड एंड राइट हैंड लिखा होता है। इसकी क्षमता 1TB से 4TB तक होती है।

CD- इसका पूरा नाम कॉम्पैक्ट डिस्क है। गोल,पतला और चमकीले सतह वाला होता है। इसकी भण्डारण क्षमता 700MB होता है।

DVD- इसका पूरा नाम डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क अथवा डिजिटल वीडियो डिस्क होता है। इसकी भंडारण क्षमता 4.7 जीबी होता है। यह सीडी जैसा दिखता है।

पेन ड्राइव -इसका आकार thumb जैसा होने के कारण इसे thumb drive भी कहते हैं। इसे आसानी से कैरी कर सकते हैं। यह कम्प्यूटर में USB पोर्ट के माध्यम से जुड़ता है। इसकी भंडारण क्षमता 2GB से 16GB तक होता है।

Flash memory- इसे फ्लैश-रैम भी कहा जाता है। इसका उपयोग डिजिटल कैमरा,सेट टॉप बॉक्स आदि में किया जाता है।

Virtual memory- यह काल्पनिक मेमोरी का क्षेत्र है यह हार्डडिस्क पर उपलब्ध एक ऐसा स्पेस है, जिसे सीपीयू द्वारा Extended-RAM की तरह प्रयोग किया जाता है। इसे लॉजिकल मेमोरी भी कहते हैं।

यह भी जाने-

प्रथम हार्ड डिस्क आईबीएम ने 1556 में invent किया और इसका आकार वार्डरोब जैसा था।

Units of Memory

8 bits	= 1 byte
1024 bytes	= 1 kilobyte
1024 KB	= 1 megabyte
1024 MB	= 1 gigabyte
1024 GB	= 1 terabyte

अभ्यास प्रश्न

1- बाह्य मेमोरी किसे कहते हैं?
2- द्वितीयक मेमोरी के उदाहरण दीजिए।
3- DVD(डीवीडी)का पूरा नाम क्या है?
4- हार्डडिस्क की भंडारण क्षमता कितनी है?
5- पेनड्राइव किसके माध्यम से कम्प्यूटर में जुड़ता है?

उत्तरमाला 18/05/2020

1 मेमोरी दो प्रकार की होती है-
a.प्राथमिक मेमोरी b.द्वितीयक मेमोरी।
2 ROM को स्थाई मेमोरी कहा जाता है क्योंकि स्विच ऑफ होने के बाद भी इसका डाटा नष्ट नहीं होता।
EEPROM का पूरा नाम(Electrical progammable read only memory)इलेक्ट्रिकल प्रोग्रामेबल रीड ओनली मेमोरी होता है।
4. RAM अस्थाई मेमोरी है यह दो प्रकार की होती है-
a.STATIC RAM
b.DYNAMIC RAM.
5.RAM का पूरा Random Access Memory है।